राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 215
शह और मात
सुपर कमांडो ध्रुव

प्रस्तावना

इस दुनिया में हजारों-लाखों लोग एक-दूसरे के साथ चालें चलते रहते हैं। लेकिन जो दुश्मन की चाल को पहले से भांप लेता है, वही दुश्मन को दे सकता है...

शह और मात

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा. इंकिंग: विनोद, नरेश, विट्ठल सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय. सम्पादक: मनीष गुप्ता.

जहां पर कीमती माल होता है, वहां पर उसकी सुरक्षा के इन्तजामात भी होते हैं-
बजा दिया अलार्म?
तड़ाक
अब तीस सेकंड के अन्दर ये बिल्डिंग पुलिस वालों से घिर जाएगी।
लेकिन तीस सेकंडों में हम भी गायब हो चुके होंगे, और तुम्हारा माल भी।
सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता थे-
तीस सेकंड बीतने के पहले ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी थी-
वे लिफ्ट में घुसे हैं!
और लिफ्ट ऊपर जा रही है!

हमारी टीम छत पर भी पहुंच चुकी है। हैलो, हैलो, टीम बी! छत पर क्या पोजीशन है?
यहां पर तो एक हैलीकॉप्टर खड़ा है, सर। निश्चित रूप से ये उन लुटेरों का ही है!
ओ ऽऽऽ इसीलिए वे इतने कॉन्फिडेंट थे। वे जरूर हैलीकॉप्टर द्वारा भागने वाले थे! लेकिन हम यहां पर उनकी उम्मीद से पहले पहुंच गए!
इंस्पेक्टर साहब, देखिए! लुटेरों ने लिफ्ट को रोक दिया है! लिफ्ट ऊपर नहीं आ रही है!
उनको हमारे आने का आभास हो चुका है!
लेकिन अब वे फंस चुके हैं! न बाहर आ सकते हैं और न ही छत पर आ सकते हैं!
हम इन चूहों के बाहर निकलने का इंतजार करेंगे! देखें कि ये कब तक लिफ्ट में बन्द रह सकते हैं!
इंस्पेक्टर को
चाहे इन्तजार करने का शौक था-

लेकिन लुटेरों के प्लान कोई तोड़ नहीं था-
क्योंकि लिफ्ट के अन्दर-
जल्दी काट ले लिफ्ट का फर्श!
हल्ला क्यों मचा रहा है? ले, कट गया!
अब रस्सियां निकाल ले!
कुछ ही पलों बाद लुटेरे लिफ्ट के कटे फर्श से नीचे उतर रहे थे-
पुलिस वाले हैलीकॉप्टर और लिफ्ट पर ही टकटकी लगाए देखते रह जाएंगे!
और हम माल लेकर निकल जाएंगे! हुर्रे! हा हा हा!
पार्किंग
पुलिस का ध्यान बिल्डिंग ऊपर चला गया होगा। पार्किंग से निकलने में ज्यादा मुश्किल नहीं होगी!
25
कुछ ही देर बाद लुटेरे कार में सवार थे-
अब कार चला न! सोच क्या रहा है?
सामने कोई खड़ा है!
कौन मरने आ गया? जरा लाइट तो ऊपर कर!

लाइटें चमकीं-
और सामने खड़ी आकृति रोशनी में नहा गई-
सुपर कमांडो ध्रुव! ये... ये यहां पर कैसे आ गया?
इसको कैसे पता चला कि हम हेली-कॉप्टर से नहीं, कार से भागने वाले हैं?
सुई से!
सुई से!
कौन सी सुई?
तुम्हारे हेलीकॉप्टर के फ्यूल टैंक की सुई! छत के रास्ते जब मैं यहां दाखिल हुआ, तो मैंने हेलीकॉप्टर की छान-बीन की थी।
उसमें सिर्फ इतना ही ईंधन था, जो हेलीकॉप्टर को पांच किलोमीटर तक ले जा सके! जाहिर था कि तुम लोग हेलीकॉप्टर से भागने वाले नहीं थे!
हेलीकॉप्टर आंखों में धूल झोंकने के लिए था! भागने का जरिया सिर्फ कार ही बचती थी! और कार खड़ी करने की सबसे सुरक्षित जगह पार्किंग ही होती है!
मुझे यकीन था कि तुम लोग यहीं आओगे, और तुम लोग आ गए!
कुचल डालो इसे!

ये तो... ये तो हिल भी नहीं रहा है!
कुछ गड़बड़ लगती है!
इसको हम हिलाएंगे! कम से कम दस फुट दूर जाकर गिरेगा!
कार के पास आते ही ध्रुव का दाहिना हाथ सीधा हुआ-
टायर पंचर हुआ-
और कार एक तरफ लहरा गई-
मैं कह रहा था कि गड़बड़ है! रुक जाओ!
तूने 'रुक जाओ' कब कहा था?
बाहर के कोलाहल में एक्सीडेंट की तेज आवाज दबकर रह गई-
लुटेरे अभी भी लिफ्ट के अन्दर ही हैं! और पुलिस कॉरीडोर में उनका इंतजार कर रही है! हम भी इंतजार करते हैं और देखते हैं कि ये 'शो-डाउन' कब खत्म होता है! भारती न्यूज के लिए राजनगर से मैं मीना कपूर!
कट!
ये ध्रुव अभी तक क्यों नहीं आया?

ध्रुव को जहां पर पहुंचना था, वो वहां पर पहुंच चुका था-
इनके साथ-साथ बन्दूकें भी बाहर आ गिरी हैं। यानी इनको पकड़ना अब थोड़ा सा मुश्किल हो गया है! लेकिन यहां पर मेरी मदद के लिए कई चीजें मौजूद हैं!
धांय
जैसे कार का टूटा दरवाज़ा! जो फिलहाल मेरी ढाल है!
एक गया, तीन बचे!
अब दो बचे हैं!
इस अंधाधुंध गोलियों की बौछार में इन तक जल्दी पहुंचने का सिर्फ यही एक रास्ता है!
अपने 'रोलर स्केट्स' द्वारा कारों के नीचे से फिसलते हुए!

कृष्ण, भोलू, पटाखा! सब कहां मर गए?
लगता है सब ध्रुव के शिकार हो गए हैं! कमबख्त बेहोश होने के ठीक पहले ही नजर आता है!
लेकिन अब वह मेरी नजर से नहीं बचेगा! यहां से मैं चारों तरफ देख सकता हूं! नजर आते ही उसका भेजा उड़ा दूंगा!
बॉस चारों तरफ तो देख रहा था-
लेकिन यह भूल गया था कि मुसीबत हमेशा सर पर टूटती है-
चौंधा गया!

इस दुस्साहसपूर्ण घटना का सीधा प्रसारण जारी था -
आधे घंटे से कुछ समय बीत चुका है लेकिन स्थिति वैसी की वैसी बनी हुई है. अब पुलिस का धैर्य समाप्त...
ची ची चीईईईईई
अरे, ये आवाज़ कैसी? ये तो कार के ब्रेक्स की आवाज़ है. कार में सुपर कमांडो ध्रुव है
भइया आ गया!
देखा मम्मी! आ गया!
ओह... और साथ में चारों लुटेरे भी हैं. कमाल है कमाल है! यह तो जादू है. लुटेरे तुम्हारे पास कैसे आ गए ध्रुव?
यह मेरा नहीं, बेवकूफी का कमाल है. अगर ये हेलीकॉप्टर ईंधन टंकी फुल करा लेते तो शायद मैं धोखा खा जाता, लेकिन...
ध्रुव पूरा घटनाक्रम सुनाता चला गया।
...और फिर मैंने इनको पकड़ लिया!
मेरे पास शब्द नहीं हैं, अब... अब मैं आगे क्या बोलूं? सिर्फ इतना ही कह सकती हूं कि ध्रुव इज सुपर जीनियस व्हाट ए ब्रेन!
बस! व्हाट ए ब्रेन, तलाश करो, चतुर्भुज हमारे कम्प्यूटर में इसके बारे में जानकारी है या नहीं

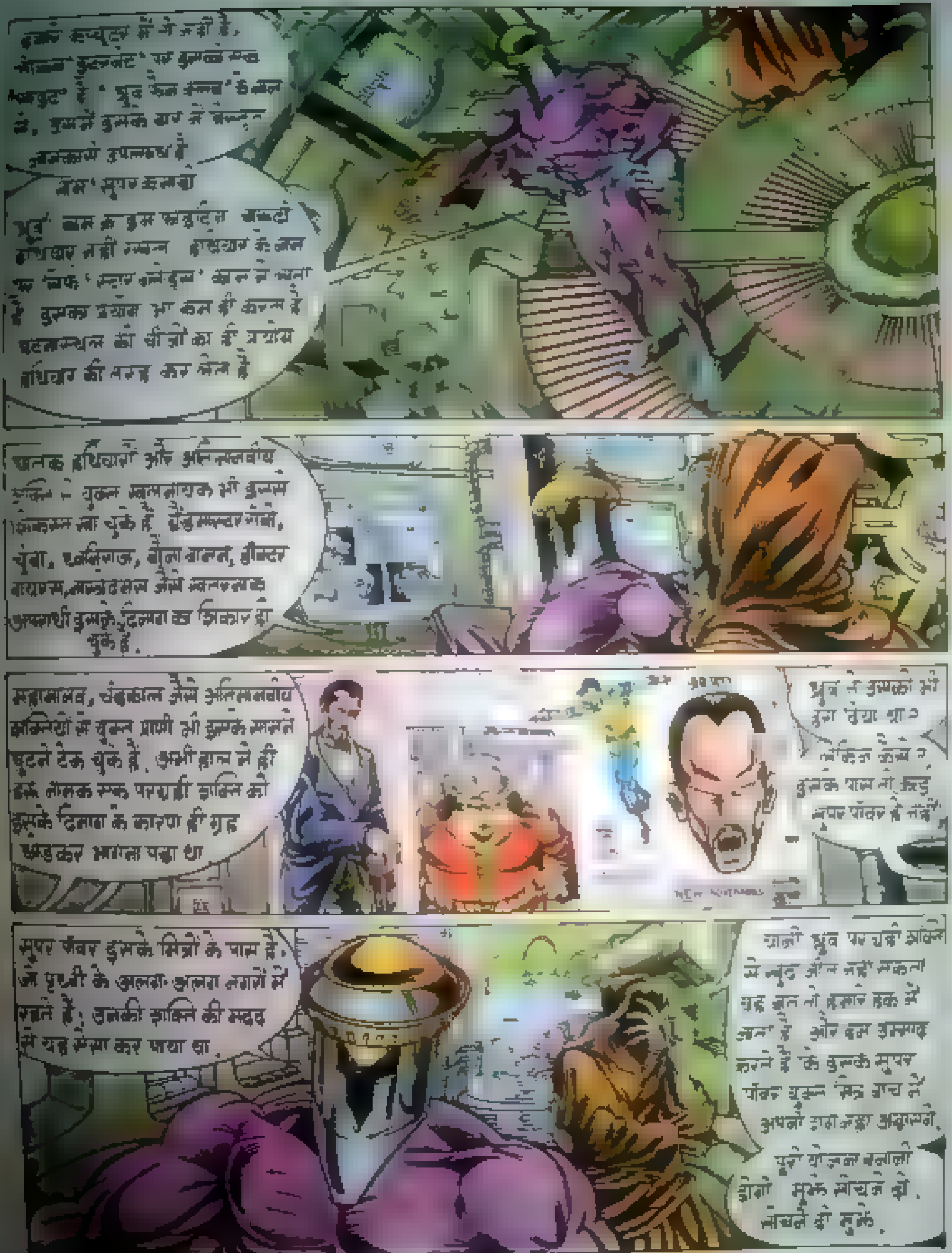

महामानव, चंडकाल जैसे अतिमानवीय शक्तियों से युक्त प्राणी भी इसके सामने घुटने टेक चुके हैं. अभी हाल में ही इसके दिमाग के कारण ही गृह छोड़कर भागना पड़ा था
सुपर पॉवर इसके मित्रों के पास है. जो पृथ्वी के अलग-अलग जगहों में रहते हैं; उनकी शक्ति की मदद से यह ऐसा कर पाया था
पूरी योजना बना ली होगी. मुझे सोचने दो. सोचने दो मुझे.

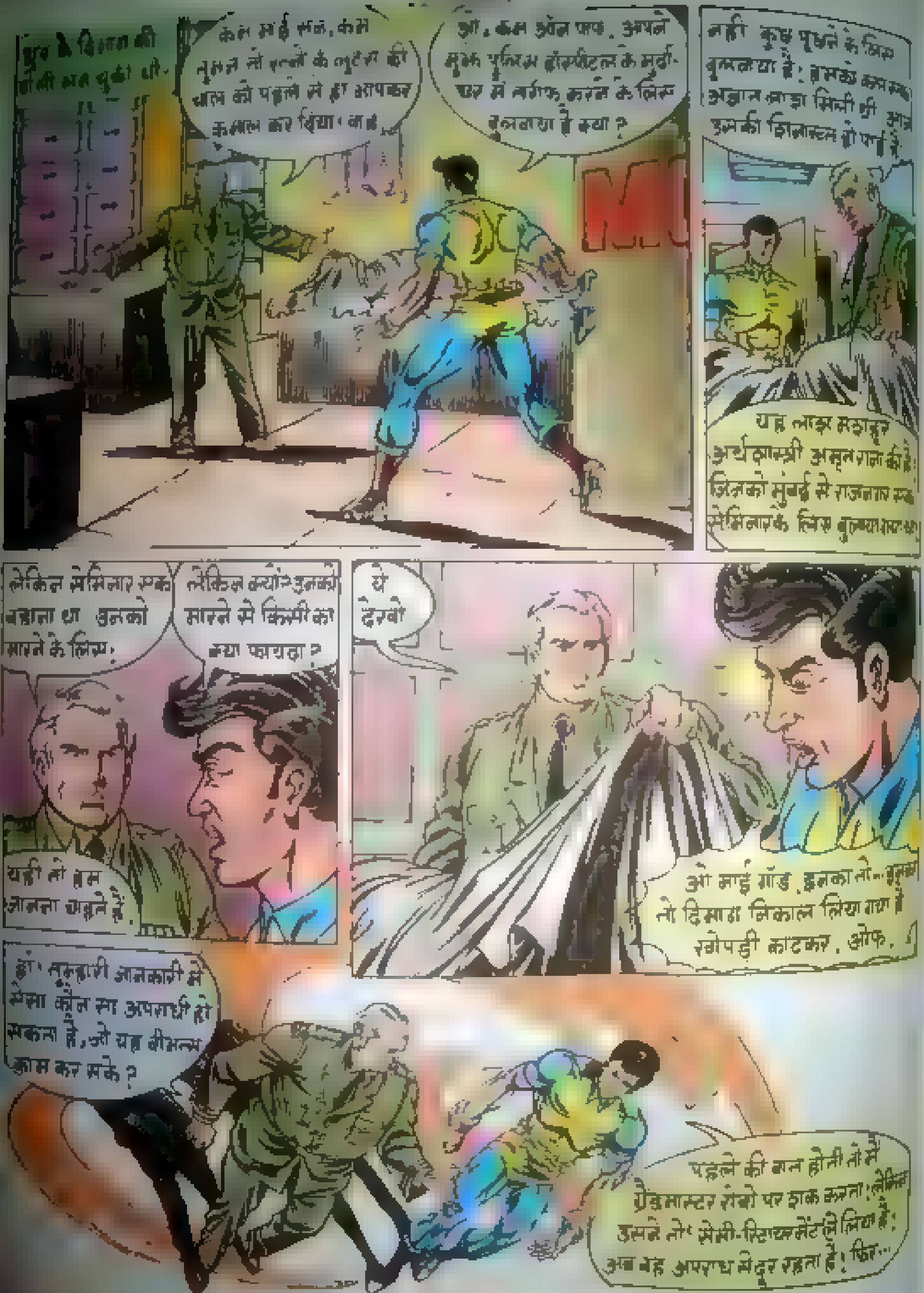
हाँ, कम ऑन पाल. अपने मुझे पुलिस हॉस्पिटल के मुर्दाघर में ... करने के लिए बुलवाया है क्या?
नहीं कुछ पूछने के लिए बुलवाया है। इसकी कल रात अज्ञात लाश मिली थी और इसकी शिनाख्त हो गई है.
यह लाश मशहूर अर्थशास्त्री अमृत राव की है। जिनको मुंबई से राजनगर एक सेमिनार के लिए बुलवाया गया था।
लेकिन सेमिनार एक बहाना था उनको मारने के लिए.
लेकिन क्यों? उनको मारने से किसी का क्या फायदा?
यही तो हम जानना चाहते हैं.
ये देखो
ओ माई गॉड, इनका तो... इनका तो दिमाग निकाल लिया गया है खोपड़ी काटकर, ओफ.
हाँ, तुम्हारी जानकारी में ऐसा कौन सा अपराधी हो सकता है, जो यह वीभत्स काम कर सके?
पहले की बात होती तो मैं ब्रेनमास्टर रोबो पर शक करता! लेकिन उसने तो सेमी-रिटायरमेंट ले लिया है! अब वह अपराध से दूर रहता है! फिर...

सर, सर! जल्दी इधर आइए! बाहर देखिए!
क्या हुआ रामफल? तुम इतने बौखलाए हुए क्यों हो? दंगे हो गए हैं क्या?
बताने की नहीं, देखने की बात है सर. जल्दी आइए! वरना नजारा खत्म हो जाएगा!
खिड़की से बाहर नजर डालते ही ध्रुव और कमिश्नर राजन की आँखें फटी की फटी रह गई.
नजारा ही ऐसा था-
उड़न तश्तरी! ये तो उड़न तश्तरी है! इसके पीछे हैलीकॉप्टर भेजो रामफल! तुरन्त हैलीकॉप्टर को बुलाओ.
उड़न तश्तरी! पहले तो राजनगर के आकाश में यह कभी नजर नहीं आई? क्या प्रोफेसर अमृतलाल की वीभत्स हत्या और इसमें कुछ संबंध है?

कुछ ही मिनटों के अन्दर पुलिस हेलीकॉप्टर हवा में था-
लेकिन-
हैलो, हेडक्वार्टर हम पांच मिनट से यह इलाका छान रहे हैं लेकिन उड़नतश्तरी जैसी चीज कहीं नजर नहीं आ रही है। हमारे राडार तक पर उसका कोई निशान नहीं है।
ठीक है अब नीचे आ जाओ।
इतनी जल्दी तो सचमुच की उड़नतश्तरी ही गायब हो सकती है। यह घटना जरूर किसी खतरे का संकेत है।
अगले दिन के अखबार सनसनीखेज सुर्खियों में रंगे हुए थे-
ओऽऽ! प्रोफेसर राना को सेमिनार के बहाने बुलाकर उनकी हत्या कर दी गई।
मुझे भी तो यहां पर सेमिनार के लिए ही बुलाया गया है, कहीं मुझे भी तो...
...नहीं, नहीं।

मैं शायद 'ओवर रिएक्ट' कर रही हूं। एक मनोवैज्ञानिक होने के नाते मुझे यह पता होना चाहिए कि कोई भी इन्सान, एक ही जगह पर एक ही जैसा अपराध लगातार नहीं करता, कुछ दिनों का ब्रेक जरूर लेता है।
ट्रिंऽऽऽग ट्रिंऽऽऽग
मैडम नटालिया! आपको लेने के लिए एक शोफर कार लेकर आया है।
उसको इन्तजार करने को कहो मैं तैयार होकर एक घंटे में नीचे आ रही हूं।
थोड़ी ही देर बाद- मनोवैज्ञानिक नटालिया को लेकर कार तेज़ी से शहर की सरहद की तरफ बढ़ रही थी-
शाम का धुंधलका घिरता आ रहा था-
ये तुम मुझको लेकर कहां जा रहे हो? शहर तो पीछे छूट गया है।
रुक जाओ, रोको कार को वरना मैं गोली चला दूंगी।
चला दो।
गोली का धमाका हुआ-

और नटालिया का दिमाग घूम गया–
रोबोट! डुप्लीकेट इन्सान नहीं रोबोट है
नटालिया अगर ऐन वक्त पर कार का दरवाजा खोलकर कूद न जाती–
तो उसका हाल भी शायद कार और इस रोबोट की तरह ही होता
च च च! अच्छा रोबोट था। खैर, अच्छा हुआ कि तुम कूद गईं!
वरना तुम जलकर मर जातीं, और तुम्हारा विलक्षण वैज्ञानिक दिमाग हमारे किसी काम का नहीं रहता।
ई ई ई मा ऽऽऽऽ
ये जरूर वही है प्रोफेसर राना का हत्यारा

मुझे इसका आभास था! अब तू भी वहीं जायगा, जहां पर तेरा रोबॉट ड्राइवर गया है!
वैसे तो तुम पृथ्वीवासियों के घटिया हथियार हम पर असर नहीं करते...
... लेकिन क्या पता कि शायद ये कुछ नुकसान ही पहुंचा दें...
...इसलिए ये हथियार गिरा दे, और अपना दिमाग़ हल करने को तैयार हो जा!
आऽऽऽह!
भाग मत, भाग मत, पीछा करने से मैं थक जाता हूं!
ओऽऽऽह, ये कैसी किरण है! इसने तो मुझे जड़ कर दिया है! मैं हिल भी नहीं पा रही हूं!
ध्रुव..!

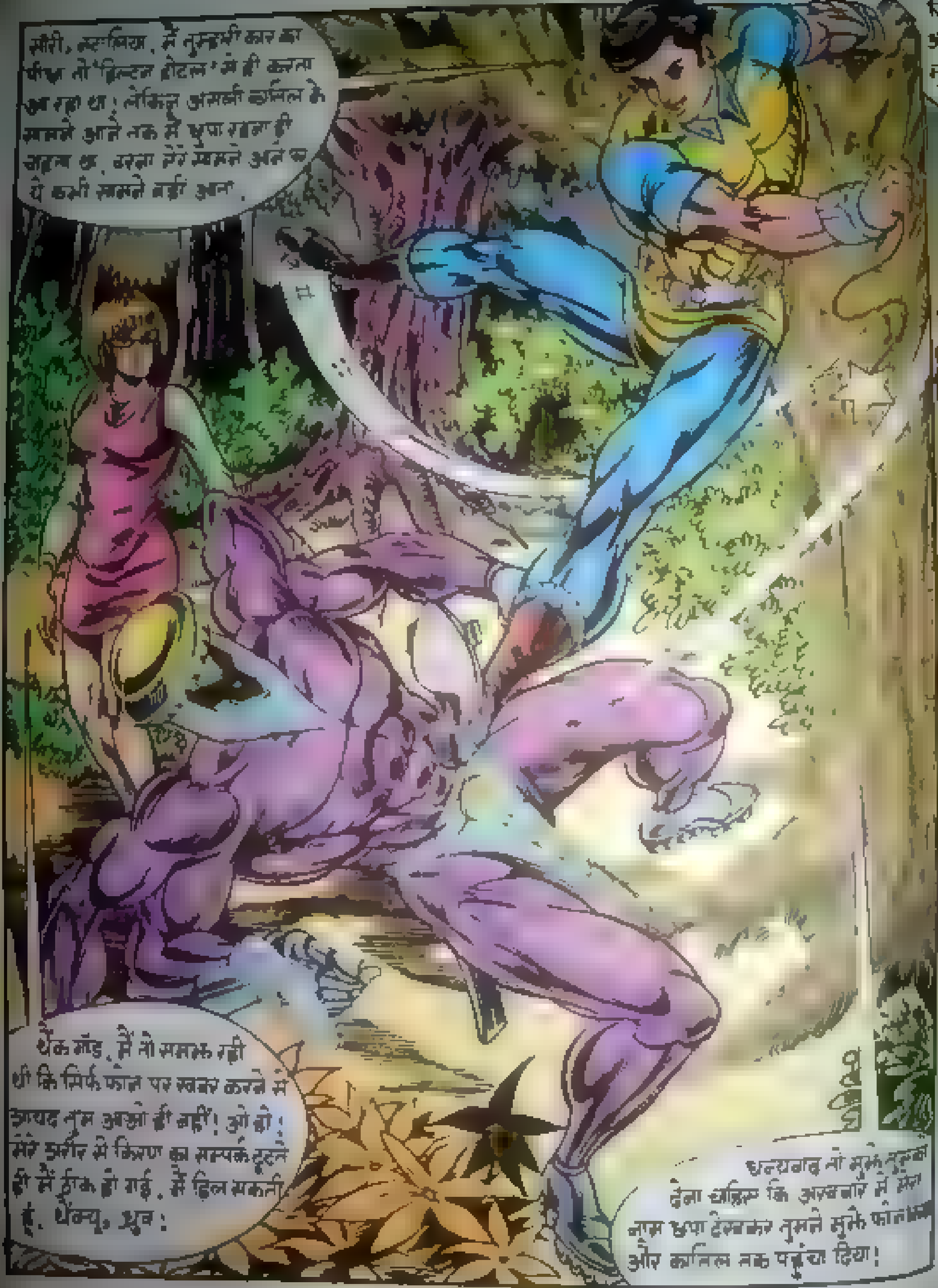
सॉरी, स्टेफिया, मैं तुम्हारी कार का पीछा तो 'हिल्टन होटल' से ही करता आ रहा था। लेकिन उसकी कार्निल के सामने आने तक मैं छुपा रहना ही चाहता था, वरना मेरे सामने आने पर ये कभी सामने नहीं आता.
थैंक गॉड, मैं तो समझ रही थी कि सिर्फ फोन पर खबर करने से शायद तुम आओगे ही नहीं! ओ हो! मेरे शरीर से किरण का सम्पर्क टूटते ही मैं ठीक हो गई. मैं हिल सकती हूँ. थैंक्यू, ध्रुव!
धन्यवाद तो मुझे तुमको देना चाहिए कि अखबारों में मेरा नाम छपा देखकर तुमने मुझे फोन किया और कार्निल तक पहुँचा दिया!

जिस मुंह से तू इसका धन्यवाद अदा कर रहा है, ध्रुव! अभी उसी मुंह से तू इसे कोसेगा कि इसने तुझे खबर क्यों भेजी?
हमारी नजर तेरे दिमाग पर भी है, ध्रुव; लेकिन तुझे हमने बाद के लिए छोड़ रखा है
क्योंकि तेरा दिमाग हम 'सिस्टम' में सबसे ऊपर लगाना चाहते हैं!
सिस्टम!
ये 'सिस्टम' क्या है?
फिलहाल मैं सिर्फ इस लड़की का विलक्षण मनोवैज्ञानिक दिमाग चाहता हूं! लेकिन यह तुझको बेबस करने के बाद ही संभव हो पाएगा.
इसमें तो अद्भुत शक्तियां हैं. इसके हाथ से निकली किरण जहां टकराती है, वहां धमाका हो जाता है!
नटालिया' तुम यहां से भागो, मैं इसको रोककर रखता हूं!

नहीं, ध्रुव. इस मुसीबत में तुमको मैंने फंसाया है. मैं तुमको अकेला नहीं छोड़ूंगी
इसके अन्दर मुझे शायद ऐसी कोई चीज मिल सके जिसका प्रयोग मैं इन्हें रोकने में कर सकूं.
ध्रुव, कैमिल की तरफ आपका तो
लेकिन तभी पास एक तेज धार वाली आरी हवा में लपकी-
और ध्रुव, इस गिरते पेड़ के नीचे दबने से सिर्फ अपनी फुर्ती के कारण ही बच पाया-
आह, इनकी तेज धार की आरी जो इस मोटे पेड़ को एक बार में काट दे, पृथ्वी की तो नहीं हो सकती.

ध्रुव के उठने से पहले ही उसकी गर्दन पर शिकंजा आ कसा-
और-
अक.
मरने की इतनी जल्दी मत
ज्ञानवृद्ध! आपको आने की क्या जरूरत पड़ गई?
तभी सारा वातावरण रोशनियों से जगमगा उठा-
स्थिति जटिल हो गई थी, नायक.

लेकिन अब नियंत्रण में है
आऽऽऽह क्या ताकत है!
सुपर कमांडो ध्रुव : रत्न लुटेरों को पकड़ने वाला विलक्षण बुद्धि का स्वामी. ये तुम्हारे साथ कैसे लग गया, चनुभुज?
कौन हो तुम लोग? और ऐसे बेढंगे काम करके क्या पाना चाहते हो?
दिमागी मानव, जिसे तुम लोग 'मस्तिष्क' या 'ब्रेन' भी कहते हो; हम ब्रह्मांड की एक चमत्कारी प्रजाति के प्राणी हैं और ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त करने के लिए एक अजेय विनाशकारी हथियार बनाना चाहते हैं और यह हथियार है ब्रह्मांड के सबसे तेज मस्तिष्कों का एक सम्मिलित तंत्र, जिसका
अपने आप ही ओखली में सर दे बैठा!
हमने पूरे ब्रह्मांड में घूम-घूमकर महान-महान जीवों के सैकड़ों मस्तिष्कों को एकत्रित किया है,
और अब इसी की तलाश में पृथ्वी पर आए हैं; अब हम तेरा मस्तिष्क लेकर जाएंगे...

क्योंकि तेरे जैसा मस्तिष्क ब्रह्मांड में कहीं नहीं है। उसको हम 'सिस्टम' का केन्द्र बनाएंगे। मैं लड़की का दिमाग निकालता हूं, चतुर्भुज! तू ध्रुव का दिमाग लेकर आ!
जैसा आप कहें शतबुद्धि
नटालिया, भागो!
भागोगी कहां? हम उड़नतश्तरी से इसका पीछा करेंगे!
अब अपना दिमाग शांति से मुझे दे दे ध्रुव!
ओह, स्टार ट्रांसमीटर काम नहीं कर रहा है! जरूर इनके सिग्नल बीच में व्यवधान डाल रहे हैं।
अब इस केबिन के अंदर रखा सामान ही मेरी मदद कर सकता है।
लेकिन इसके अन्दर कुछ है भी या नहीं।

यहां पर तो बेड और कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं है, इनसे क्या भला होगा?... ओह...
... ये धनुर्भुज तो कुछ सोचने का मौका ही नहीं दे रहा है। केबिन तोड़कर अन्दर आ रहा है!
इससे तब तक जूझना होगा, जब तक कोई रास्ता समझ में नहीं आ जाता.
लेकिन जूझने के लिए मेरे पास कुछ भी नहीं है; ओह! ये जनरेटर... ये शायद मेरी मदद कर सके!
धनुर्भुज के आगे लपकते ही जनरेटर ऑन हुआ-

और चन्द्रभुज के शरीर में बिजली की लहर दौड़ गई-
अऽऽऽह
आह! जेनरेटर अच्छा हथियार साबित हो रहा है
लेकिन
हम हर तरह की ऊर्जा को सोख सकते हैं, मानव! तू मुझसे जीत नहीं सकता. घुटने टेक दे तो शायद तेरी मौत कुछ कम दर्दनाक हो जायगी
ओह, सारे रास्ते बन्द हो गए हैं अब क्या करूं? ये जेनरेटर भी धोखा दे गया. नहीं, ये जेनरेटर फिर से मेरी मदद करेगा, लेकिन दूसरे तरीके से!
!
अपने अंदर भरे पेट्रोल से.
पेट्रोल चन्द्रभुज को दहला देने के लिए काफी था-
और फिर ध्रुव की किक ने चन्द्रभुज को उन अंगारों पर उछाल दिया, जो उसी के धमाके के कारण सुलग उठे थे.

पलभर में चतुर्भुज का शरीर आग से घिर गया-
चतुर्भुज बचकर भाग रहा है; लेकिन मैं इसे भागने नहीं दूंगा!
आऽऽऽह! तूने ये क्या किया? आग मेरे नाजुक सर्किटों को नष्ट कर देगी.
ध्रुव पलभर के लिए असावधान हुआ-
लेकिन अब मुझे इसको हराने का तरीका समझ में आ गया है!
अरे, कहां गया? यहां तो कहीं नजर नहीं आ रहा है.
ओह, इसने आग बुझा ली है!

ये ठीक वैसा ही कर रहा है, जैसा मैंने सोचा था, यह मुझे पकड़ने के लिए पेड़ पर चढ़ता आ रहा है! अब मुझे और ऊपर जाना होगा!...
... ये काफी ऊपर आ गया है! अब नीचे जाने का वक्त है!
स्टार ब्लेड, उस डाल के जोड़ को कमजोर करते चले गए-
जिस पर चन्द्रभुज खड़ा था-
और नतीजा सामने था-

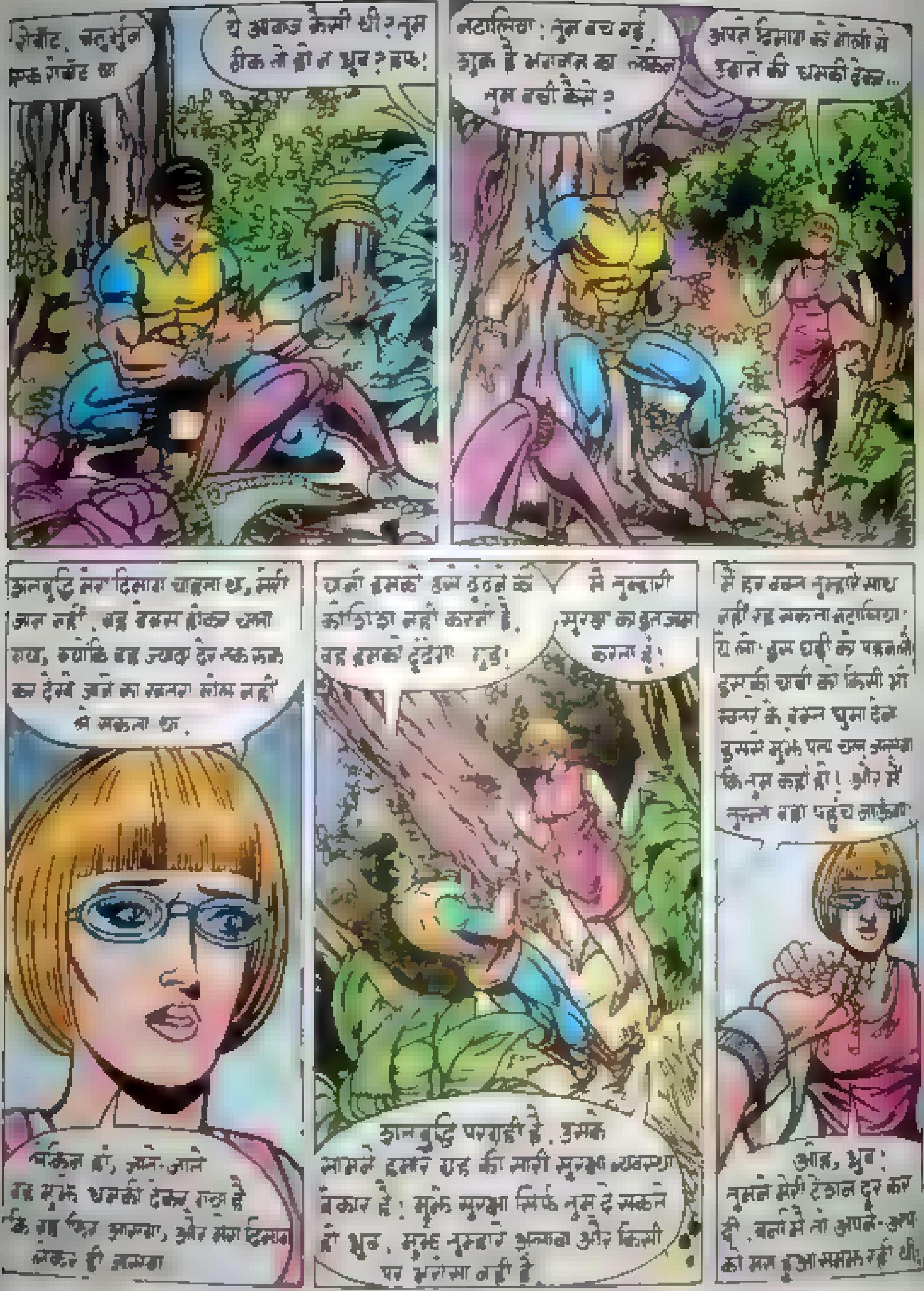

रोबोट, चतुर्भुज एक रोबोट था
ये आवाज़ कैसी थी? तुम ठीक तो हो न ध्रुव? उफ़!
नटालिया: तुम बच गई, शुक्र है भगवान का, लेकिन तुम बची कैसे?
अपने दिमाग को आंखों से बहाने की धमकी देकर...
ज्ञानबुद्धि मेरा दिमाग चाहता था, मेरी जान नहीं. वह बेबस होकर चला गया, क्योंकि वह ज़्यादा देर एक जगह पर ठहरने का खतरा मोल नहीं ले सकता था.
लेकिन हां, जाते-जाते वह मुझे धमकी देकर गया है कि वह फिर आएगा, और मेरा दिमाग लेकर ही जाएगा
चलो हमको उसे ढूंढने की कोशिश नहीं करनी है. वह हमको ढूंढेगा ध्रुव!
मैं तुम्हारी सुरक्षा का इंतजाम करता हूं!
ज्ञानबुद्धि परछाई है. उसके सामने हमारे यहां की सारी सुरक्षा व्यवस्था बेकार है! मुझे सुरक्षा सिर्फ तुम दे सकते हो ध्रुव. मुझे तुम्हारे अलावा और किसी पर भरोसा नहीं है
मैं हर वक्त तुम्हारे साथ नहीं रह सकता नटालिया! ये लो, इस घड़ी को पहन लो! इसकी चाबी को किसी भी खतरे के वक्त घुमा देना. इससे मुझे पता चल जाएगा कि तुम कहां हो! और मैं तुरन्त वहां पहुंच जाऊंगा
ओह, ध्रुव! तुमने मेरी टेंशन दूर कर दी. वरना मैं तो अपने-आप को मरा हुआ समझ रही थी।

और फिर-
हम भी ऐसे रोबॉट बनाते हैं, ध्रुव, जो ऊपर से देखने में इन्सान जैसे लगते हों
N ROBOTIC
...वैसे तो इस रोबॉट में और हमारे बनाए रोबोटों में कोई खास तकनीकी फर्क नहीं है...
...लेकिन इसमें एक बहुत खास बात जरूर है!
वह क्या, प्रोफेसर बरूआ?
इसमें कुछ पुर्जे ऐसे तत्वों के बने हैं, जो तत्व हमारी पृथ्वी पर पाए ही नहीं जाते
क्या ?
हां, ध्रुव, इसका एक ही अर्थ है! ये रोबॉट पृथ्वी पर नहीं बना है
ओह, 'स्टार ट्रांसमीटर' पर सिग्नल आ रहे हैं!

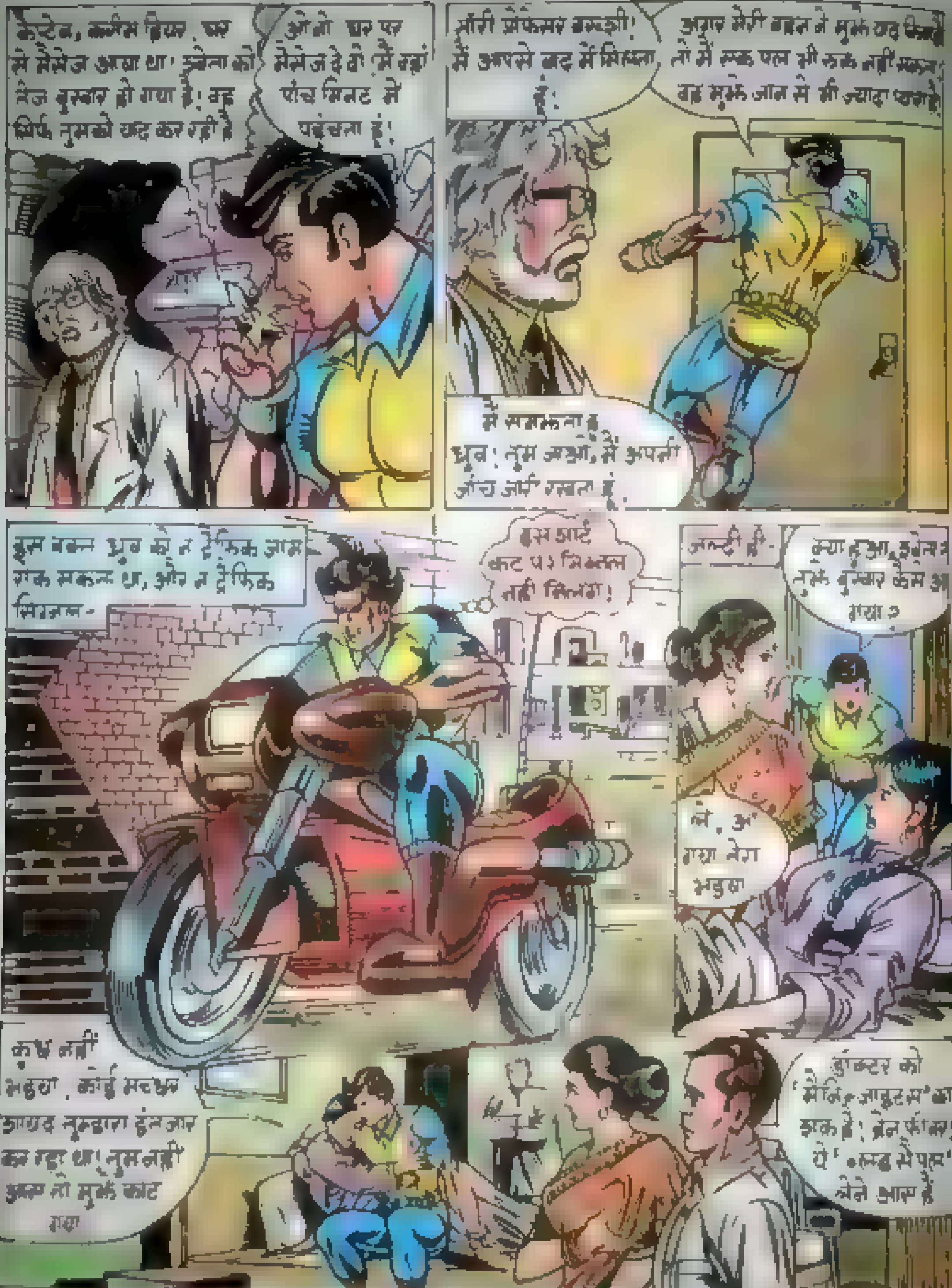
कैप्टेन, ... घर से मैसेज आया था। श्वेता को तेज बुखार हो गया है! वह सिर्फ तुमको याद कर रही है
ओ नो! घर पर मैसेज दे दो, मैं वहां पांच मिनट में पहुंचता हूं!
सॉरी प्रोफेसर बख्शी! मैं आपसे बाद में मिलता हूं!
अगर मेरी बहन ने मुझे याद किया तो मैं एक पल भी रुक नहीं सकता। वह मुझे जान से भी ज्यादा प्यारी है!
मैं समझता हूं ध्रुव! तुम जाओ, मैं अपनी जांच जारी रखता हूं.
इस वक्त ध्रुव को न ट्रैफिक जाम रोक सकता था, और न ट्रैफिक सिग्नल-
इस शॉर्ट कट पर सिग्नल नहीं मिलेगा!
जल्दी ही-
क्या हुआ, श्वेता? तुम्हें बुखार कैसे आ गया?
लो, आ गया मेरा भइया
कुछ नहीं भइया, कोई मच्छर शायद तुम्हारा इंतजार कर रहा था! तुम नहीं आए तो मुझे काट गया
डॉक्टर को 'मेनिनजाइटिस' का शक है! ... ये 'ब्लड सैंपल' लेने आए हैं

सैम्पल तो मैंने ले लिया है लेकिन रिपोर्ट आपको कल सुबह से पहले नहीं मिल पाएगी
क्यों?
देखिए, अभी शाम के साढ़े छः बज रहे हैं, और राजनगर के ट्रैफिक का हाल तो आप जानते ही हैं, मुझे पैथोलॉजी लैब तक पहुंचते पहुंचते ही आठ बज जाएंगे। और आठ बजे लैब बन्द हो जाती है.
लाओ! ब्लड सैम्पल मुझे दो, मैं इसे दस मिनट से पहले पहले तुम्हारी लैब में पहुंचा दूंगा.
एक मिनट रुको ध्रुव मुझे तुमसे कुछ कहना है.
क्या, पापा?
हमने नताशा का बयान लिया है उसने तुम्हारी सिक्योरिटी के कारण पुलिस सिक्योरिटी लेने से इंकार कर दिया है मुझे यह मामला खतरनाक लग रहा है ध्रुव.
तुम तकलीफ में दूसरे दल वालों से नहीं जीत सकते; तुम इस मामले में अकेले आगे मत बढ़ो
यकीन तो नहीं होगा; लेकिन अगर आप ऐसा चमत्कार कर सकते हैं तो कीजिए!
मैं दस मिनट तक यहीं आपके फोन का इंतजार करूंगा

चिन्ता मत कीजिए पापा! ऐसी बहुत तैयारी मैंने भी कर रखी है। असली जब मेरा कलबुद्धि से सामना होगा, तो वह मुझे असहाय नहीं पाएगा!
तुमको मारने का हर किस्म का रोक पाना असंभव है। बेस्ट ऑफ लक बेटे!
थैंक्यू पापा!
देख अभी मैं ध्रुव का 'ब्लड सैम्पल' देके आ रहा हूं। कलबुद्धि से लड़ने नहीं!
ध्रुव की तैयारी जारी थी-
करीम, सारी तैयारियां हो गई न?
हम कैप्टन-पीटर ने तुम्हारा सारा काम रिकॉर्ड टाइम में पूरा कर दिया है।
राजू, अब मेरे मैसेज का इंतजार करो।
तभी-
ओह! नटालिया का डेंजर सिग्नल, करीम!
तुरंत पता करो कि बीप ट्रांसमीटर के सिग्नल कहां से आ रहे हैं?
सिग्नल हाइलैंड रिसॉर्ट के पास से आ रहे हैं!
वह जगह तो इस वक्त काफी सुनसान रहती है
ठीक है करीम! तुम अपना काम छोड़कर दो!

श्वेता को बुखार में तड़पने दूं या निर्दोषों की जान बचाऊं?
नहीं, मैंने अपराध से लड़ने की शपथ उठाई है, ... नहीं होना चाहिए! मैं नटालिया के पास पहले जाऊंगा, बाद में फिर!
करीम, घर पर मैसेज दे दो कि वे श्वेता का दूसरा ब्लड सैम्पल टेस्ट के लिए भिजवा दें। मुझे कुछ अर्जेंट काम निपटाना है।
ध्रुव ने फर्ज की पुकार सुनकर एकदम ठीक किया था–
क्योंकि नटालिया की जान कच्चे धागे से लटक रही थी–
नटालिया!
इसमें
ओह!! ध्रुव, तुम कहां रह गए थे?
मुझे... मुझे क्या हुआ
किसमें नटालिया दीदी?
ज्ञानवृद्धि का दूसरा मोहरा है यह!
लेकिन तुम यहां पर सुनसान में रात के वक्त आई ही क्यों?

इन्होंने तुम्हारी आवाज में फोन करके
मुझको यहां पर बुलाया था, मैं मूर्ख बन गई
यहां बैठो, मैं तुमको छोड़कर फिर वापस आऊंगा
अब झगड़े का विचार छोड़कर मुकाबला करना होगा
आऽऽह!
और इसको जोरदार टक्कर मेरी मोटरसाइकल ही दे सकती है। अरे, ये तो भाग रहा है।
अब वह रुक रहा है, जमीन को हाथ से छू रहा है, और इसके छूने ही जमीन में आग की एक लहर मेरी तरफ लपक रही है।

एक पल पहले ध्रुव को खतरे का एहसास हो गया था-

इसको वश करने का मौका नहीं देना चाहिए! वर्ना न जाने ये अमानव और क्या कर बैठे?
नागुली स्टील की कई डोरियां एक साथ, इस प्राणी को लपेटती चली गईं-
इसके इस शिकंजे से निकलने से पहले ही... आऽऽऽह!
ये नागुली-स्टील की डोरी के द्वारा मुझ तक 'इलेक्ट्रिक शॉक' पहुंचा रहा है!
इन डोरियों को ब्रेसलेट से अलग करना होगा!
अब 'इलेक्ट्रिक शॉक' से तो बच गया
लेकिन अमानव नहीं बचा पाया-

अब वह प्राणी एक बार फिर नटालिया की तरफ मुड़ा-
बस ! वहीं पर रुक जा, पहली बार तूने जो पिस्तौल मेरे हाथ से गिरा दी थी, इसको मैंने झाड़ियों में ढूंढ लिया है। ...और एक कदम, बढ़ा तो तुझे यहीं ढेर कर दूंगी।
गर्र !
अरे, अरे, गोलियों का तो इस पर कोई असर नहीं हो रहा है, यह तो बढ़ता चला आ रहा है!

ध्रुव, इस प्राणी के बहुत पास आ गया था.
अचानक ही पल उसका शरीर एक शिकंजे में जकड़ गया.
आऽऽऽह, फिर से इलेक्ट्रिक शॉक लगा रहे हैं, और शरीर गीला होने के कारण मेरे बूटों के रबर सोल भी मुझे बचा नहीं पा रहे हैं
आऽऽऽह

तभी-
ज्ञानवृद्धि-
तू हमसे जीत नहीं सकता, मानव! हम तकनीक में तुमसे हजारों वर्ष आगे हैं. अब, जब तक मैं इस बिल्कुल मनोवैज्ञानिक का दिमाग निकालूंगा, तब तक मेरा गुलाम पीछे-पीछे तुझे भी लेता आएगा
ज्ञानवृद्धि ने अपनी कुल्हाड़ी उठाई-
और अंधेरे को चीरती हुई
ओह, ज्ञानवृद्धि नटालिया को लेकर उड़नतश्तरी की तरफ जा रहा है!
मुझे इसके पीछे जाना होगा, लेकिन इसके गुलाम से पीछा कैसे छुड़ाऊं?

पहुंच चुका है ... और ये 'इलेक्ट्रिक शॉक' मुझे छूटने नहीं दे रहा है।
इलेक्ट्रिक शॉक मेरी शक्ति को सोख रहा है ... उड़ाने पर भी इससे छुटकारा नहीं मिल रहा है क्योंकि, इलेक्ट्रिक शॉक ... जमीन के संपर्क में है
ये पत्थर! और ये पेड़! हां, रास्ता तो है।
स्टार लाइन डाल के ऊपर से होती हुई-
अगर जमीन से दूर जाए, तो 'शॉक' ... हो जाएगी...
... लेकिन ये होगा कैसे?
ध्रुव ने पूरी ताकत लगाई, और पत्थर ढलान पर लुढ़क गया-
पत्थर पर आ गिरी और उसी पल दूसरी स्टार लाइन ने उस डोर को पत्थर से जकड़ दिया-

इस लड़ाई पर ज्ञानबुद्धि की नज़रें गड़ी हुई थीं-
पत्थर को डोरी से बांध- कर और इसको लटकाकर आखिर यह लड़का करना क्या चाहता है?
जवाब हाज़िर था-
पत्थर नीचे गिरा और ध्रुव के साथ साथ दुल्लास का शरीर ऊपर खिंच गया-
ज़मीन से सम्पर्क टूटते ही 'इलेक्ट्रिक शक्ति' की तीव्रता खत्म हो गई-
और ध्रुव का दिमाग, कंप्यूटर से भी तेज़ गति से सोचने लगा-
यह चौंक गया है, अब मुझे सिर्फ अपने शरीर को उलटा मोड़ना होगा और मेरे बजाय इस दुल्लास का शरीर तेज़ गति से तने से टकराएगा! ...
... इस टक्कर से इसके एक तिहाई होश गुम हो जायेंगे

बाकी का एक तिहाई जमीन पर गिरने से गुम हो जाएगा।
और यह बचा एक तिहाई मैं गुम कर दूंगा।
हो गया खतम!
ध्रुव ने कपाल का बंटवारा कर दिया है। अब वह इधर ही आएगा, लेकिन... लेकिन यह क्या? वह तो पेड़ों के बीच में घिरकर गायब हो रहा है।
कहां गया? कहीं नजर नहीं आ रहा है, ये कहीं गायब तो नहीं हुआ?

हां, हां, ये रहा, वह अन्दर आ रहा है। अब यह जाल में फंसेगा.
उड़नतश्तरी के बाहर की सारी रोशनियां बुझा दो! किसी को यह पता नहीं चलना चाहिए कि हम यहां पर हैं।
धूल में सने ध्रुव को इस वक्त यह परवाह नहीं थी कि वह खतरे में फंसने आ रहा था–
उसे फिक्र थी तो सिर्फ नताशा की जान की–
शायद इसीलिए उसे आने वाले खतरे का आभास नहीं हुआ–
स्वागत, वेलकम, खुशआमदीद, विलक्षण दिमाग के मस्तिष्क सुपर कमांडो ध्रुव!
ज्ञानबुद्धि के गरीब खाने में तुम्हारा स्वागत है.
इससे पहले कि ध्रुव संभलकर खड़ा हो पाता–

उसे एक बंधन में जकड़ लिया गया-
हा हा हा! चन्द्रमुख को देखकर चौंक गया न ध्रुव! तूने जिसे खत्म किया था, वह इसका नकली था एक रोबोट। जब यह समझ गया कि ये तुमसे जीत नहीं सकता, तो तुमको अपने रोबोट में बिठा कर वापस आ गया
अब कोई भी चालाकी करने से पहले यह समझ ले...
...कि मेरी एक गलत हरकत इस लड़की की जान ले लेगी। यही तेरी कमज़ोरी है न? निर्दोषों की रक्षा
तू नहीं चाहेगा कि तेरे कारण एक निर्दोष की जान जाए
बांध दो इसको ऑपरेशन शिकंजे पर
प्रतिरोध करने का कोई मतलब नहीं था-
कुछ देर बाद ध्रुव का अंग-अंग शिकंजे में कैद था-
तुमने... तुमने ध्रुव को बांध दिया? कैसे?
हां! अब यह हिल भी नहीं सकता!

तो फिर मुझे
खोलो ज्ञानबुद्धि!
मूर्ख, अपनी मालकिन
को इतनी कसकर बांधा
जाता है क्या?
चटाक
सॉरी मैडम!
असलियत का
आभास देने के लिए ऐसा
करना जरूरी था!
आश्चर्य हो रहा है न
सुपर कमांडो ध्रुव, हाँ, यह
मेरा जाल है, मेरा एट
लड्डू कॉलोनिस्ट नताशिया
की
यह ज्ञानबुद्धि भी मेरा
आदमी है, मेरा स्पेशल
इफेक्ट स्पेशलिस्ट
ओह! तो यह
सारा नाटक था!
एक झूठ!
और वहाँ पर तेरा
दिमाग लगेगा। ये देख,
ये है मेरा ब्रेन सिस्टम।
हम, सारा नाटक नहीं है।
यह सच है कि हम दिमाग इकट्ठा कर
रहे हैं एक खतरनाक हथियार बनाने को
सिर्फ एक दिमाग की कमी है।
ओह, लेकिन इसके लिए इतना
नाटक फैलाने की क्या जरूरत थी? और यह
इन्जीनियरी और पत्थरों का ड्रामा किसलिए रचा गया?

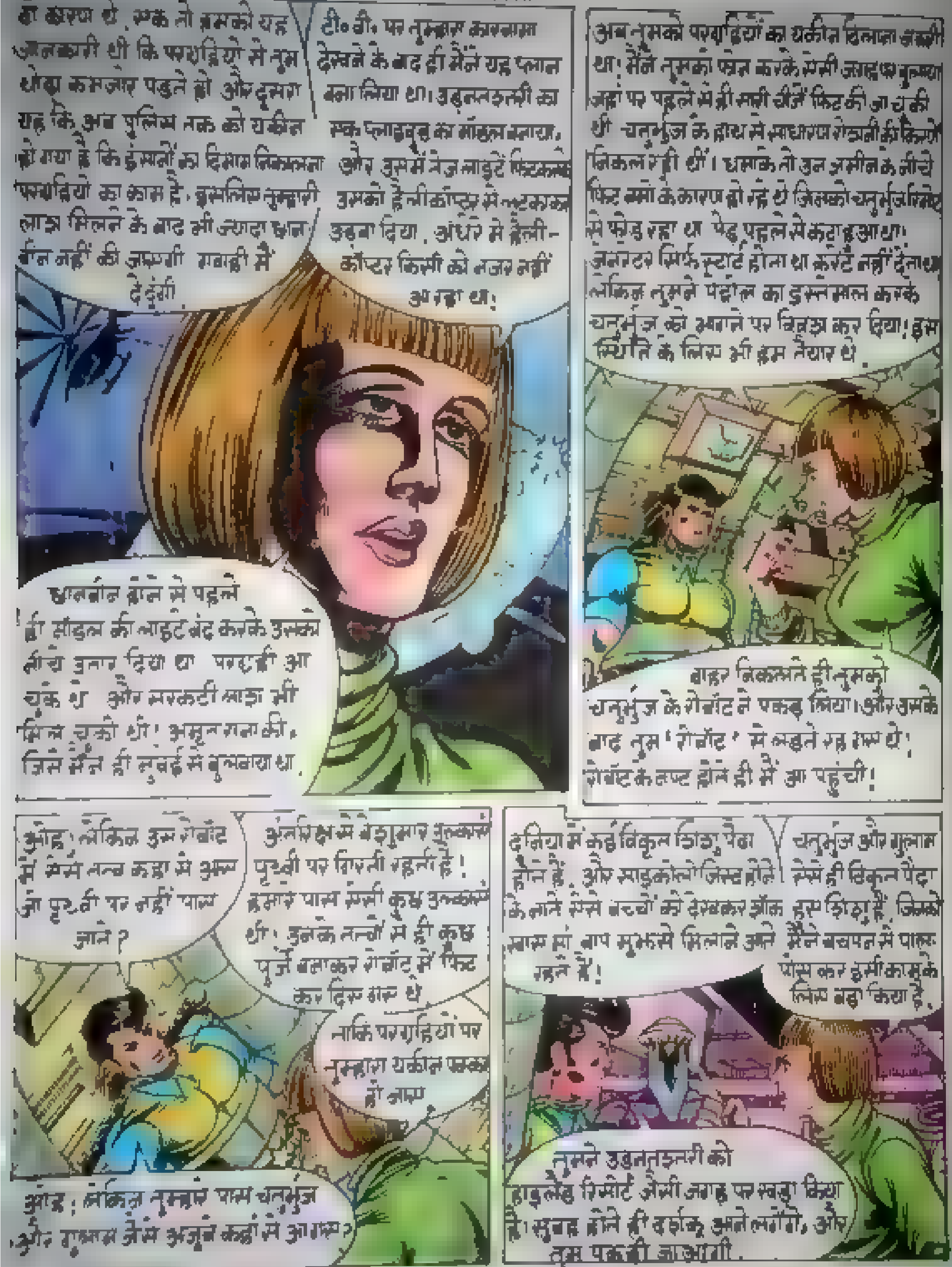
ही कारण थे, एक तो हमको यह जानकारी थी कि परछाइयों से तुम थोड़ा कमजोर पड़ते हो और दूसरा यह कि अब पुलिस तक को यकीन हो गया है कि इंसानों का दिमाग निकालना परछाइयों का काम है, इसलिए तुम्हारी लाश मिलने के बाद भी ज्यादा छानबीन नहीं की जायेगी, गवाही मैं दे दूंगी।
टी० वी० पर तुम्हारा कारनामा देखने के बाद ही मैंने यह प्लान बना लिया था। उड़नतश्तरी का एक प्लाइवुड का मॉडल बनाया, और उसमें तेज लाइटें फिट करके उसको हेलीकॉप्टर से लटकाकर उड़वा दिया, अंधेरे में हेलीकॉप्टर किसी को नजर नहीं आ रहा था।
धमाका होने से पहले ही मॉडल की लाइट बंद करके उसको नीचे उतार दिया था। परछाइयां आ चुके थे और सरकटी लाश भी मिल चुकी थी। असल में वह मेरा ही, जिसे मैंने ही लुटेरे से खत्म करवाया था।
अब तुमको परछाइयों का यकीन दिलाना जरूरी था। मैंने तुमको फोन करके ऐसी जगह पर बुलाया जहां पर पहले से ही सारी चीजें फिट की जा चुकी थीं। चतुर्भुज के हाथ से साधारण रोशनी की किरणें निकल रही थीं। धमाके तो उस जमीन के नीचे फिट बमों के कारण हो रहे थे जिसको चतुर्भुज रिमोट से फोड़ रहा था। पेड़ पहले से कटा हुआ था। जेनरेटर सिर्फ स्टार्ट होना था करंट नहीं देना था लेकिन तुमने पेट्रोल का इस्तेमाल करके चतुर्भुज को भगाने पर विवश कर दिया। इस स्थिति के लिए भी हम तैयार थे।
बाहर निकलते ही तुमको चतुर्भुज के रोबोट ने पकड़ लिया। और उसके बाद तुम 'रोबोट' से लड़ते रह गये थे। रोबोट के नष्ट होने ही मैं आ पहुंची!
ओह! लेकिन इस रोबोट में ऐसे तत्व कहां से आये जो पृथ्वी पर नहीं पाये जाते?
अंतरिक्ष से बेशुमार उल्कायें पृथ्वी पर गिरती रहती हैं! हमारे पास ऐसी कुछ उल्कायें थीं। इनके तत्वों से ही कुछ पुर्जे बनाकर रोबोट में फिट कर दिए गए थे
ताकि परछाइयों पर तुम्हारा यकीन पक्का हो जाए।
ओह! लेकिन तुम्हारे पास चतुर्भुज और गुलाम जैसे अजूबे कहां से आ गये?
दुनिया में कई विकृत शिशु पैदा होते हैं, और साइकोलोजिस्ट होने के नाते ऐसे बच्चों को देखकर शौक रखते हैं!
चतुर्भुज और गुलाम ऐसे ही विकृत पैदा हुए शिशु हैं, जिनको मैंने बचपन से पाल पोस कर इसी काम के लिए बड़ा किया है।
तुमने उड़नतश्तरी को हाइलैंड रिसॉर्ट जैसी जगह पर खड़ा किया है। सुबह होते ही दर्शक आने लगेंगे, और तुम पकड़ी जाओगी।

उड़नतश्तरी तो सिर्फ भटकाने दिखाने के लिए रखी गई है, मेरा अड्डा तो पहाड़ियों के अंदर है! उड़नतश्तरी को मेरे आदमी हैली-कॉप्टर द्वारा हटा लेंगे; वैसे भी अब मुझे उसकी ज़रूरत नहीं है। बस, बातें बहुत हो गईं...
...अब तुझे कहने का अवसर नहीं दूँगा। क्योंकि मेरा रहस्य जानकर मर रहा है। निकाल लो इसका दिमाग।
घूमती आरी ध्रुव के सर में धंसती चली गई-
और-
ये... ये क्या? ये नहीं हो सकता!
हमारे साथ धोखा हुआ है,
सुपर कमांडो ध्रुव एक रोबोट है।

* विक्रम के बारे में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें

ओह, गुलाम होश में आ गया है, और इसने पंडित के हाथ बाँध लिए हैं
अच्छा हुआ गुलाम कुछ देर के लिए तो मेरी सोचने-समझने की ताकत ही गुम हो गई थी
अब तुम और चतुर्भुज मिलकर इसको काबू में कर लो! हम खुद निकालेंगी इसका दिमाग।

मैं इन दोनों अजूबों से एक साथ उलझना नहीं चाहता, स्टार ट्रांसमीटर से मैसेज भेजकर पुलिस को बुला लेता हूं! तब तक इनको मैं किसी तरह से रोके रहूंगा!
ध्रुव के दिमाग में ख्याल आते ही-
एक कंप्यूटर स्क्रीन चमक उठी-
और 'स्टार-ट्रांसमीटर' संदेश भेजने लायक नहीं रहा-
हा हा हा, देखा सुपर कमांडो ध्रुव यह मेरे ब्रेन सिस्टम का कमाल है, यह तेरी हर चाल को पहले से ही भांपकर बता देगा। और जब इसकी स्मृति जागृत में तेरा दिमाग लग जाएगा, तब यह दुनिया के हर दिमाग को पढ़ सकेगा।
ऐसा है तो मुझे बिना दिमाग की लड़ाई लड़नी होगी। अपना 'रिफ्लेक्स एक्शन' को काम में लाना होगा, वैसे ही जैसे दो बॉक्सर एक दूसरे से लड़ते हैं। बिना सोचे समझे!
तड़ाक
धड़ाक

ओह! '...' के कारण इसकी सोच तेजी से बदल रही है; एक ख्याल ज़मीन पर पूरा आने से पहले ही दूसरा ख्याल शुरू हो जाता है! मुझे गुलाम और चन्दभुज की मदद करनी होगी।
दाहिने पैर से किक... बांया घूंसा लेफ्ट हुक
अपने 'ब्रेन मजीस्टेटर' के द्वारा! मैं ध्रुव के दिमाग के उस हिस्से को भड़का दूंगा जिसमें डर छिपा होता है। वह हिस्सा भड़कते ही...
...ध्रुव भीगी बिल्ली बनकर रह जाएगा!
आऽऽऽह! यह क्या हो रहा है? मुझे एकाएक इनसे डर लगने लगा है। पैर डर से थरथरा रहे हैं। खड़ा रहना तक मुश्किल है!
यह जरूर स्टार्लिना के 'ब्रेन मजीस्टेटर' का कमाल है! अब मैं क्या करूं?
सिर्फ भागने और जान बचाने के ख्याल ही दिमाग में आ रहे हैं!

हा हा हा! मेरे दिमाग से आज तक कोई जीत नहीं पाया है ध्रुव. आज तू भी अपने दिमाग से हारेगा. तू अपने दिमाग के कारण ही मरेगा!
नहीं, मैं ऐसे नहीं हारूंगा, नहीं हारूंगा.
काश, पीटर जल्दी से होश में आ जाए! मुझे एक मददगार की जरूरत है.
इस मुसीबत से बचने का एक ही रास्ता है, नटालिया के हाथों से ब्रेन ऑपरेटर गिराना होगा, लेकिन ये दोनों मुझे उस तक नहीं पहुंचने देंगे! अरे! एक रास्ता तो है!
लेकिन इस योजना पर काम करने से पहले मुझे कंप्यूटर स्क्रीन तोड़नी होगी! ताकि ब्रेन सिस्टम मेरे ख्याल नटालिया तक न पहुंचा पाए.
ओह! तू अपने कंट्रोल फिर से पहन रहा है. लेकिन इसका क्या फायदा है. तेरे रोबॉट का इलेक्ट्रॉनिक दिमाग तो खत्म हो चुका है!
रोबॉट इंसान नहीं होते नटालिया कि इनका पूरा शरीर सिर्फ एक दिमाग से चले,
इनके हर अंग को चलाने का सिस्टम अलग और स्वतंत्र होता है
मैंने रोबॉट को कैद करने का तरीका देखा है इसीलिए मैं उसे आजाद भी कर सकता हूं.

यह बटन दबाकर
अब मैं इन दोनों से लिपटूंगा और मेरा रोबोट तुमसे लिपटेगा!
ओह, इस पर मेरे मनोवैज्ञानिक हथियार बेकार हैं, इसे रोको ज्ञानबुद्धि; इसे रोको.
ज्ञानबुद्धि भला रोबोट को कैसे रोक पाता-
नहीं! दूर रह! दूर रह सरकटे.
मेरा रजीस्टर! मेरा ब्रेन रजीस्टर.
आऽऽह.
अब ये दोनों मिलकर गुलाम और चतुर्भुज से लड़ रहे हैं. ध्रुव और अल्मा, मुझे कुछ करना होगा. अपना ब्रेन सिस्टम पूरा करना होगा। एक दिमाग चाहिए सिर्फ एक दिमाग. किसका दिमाग लूं मैं? हाऽऽ समझ गई!

रोबोट की भड़कीली शक्ति और ध्रुव
के करारे वारों के सामने गुल्फाम और चतुर्भुज ज्यादा
देर टिक नहीं सके-
और इनके गिरते ही-
ध्रुव और रोबोट भी जमीन पर आ गिरे-
ओह! यह क्या था? मैं तो खतरे का आभास पाकर झुक गया, लेकिन मेरा रोबोट नहीं झुक पाया, और पुर्जे-पुर्जे हो गया है! कौन कर सकता है ऐसा भीषण वार?
मेरा ब्रेन सिस्टम! ये वार मेरे ब्रेन सिस्टम का है!
लेकिन तुम्हारे ब्रेन सिस्टम में तो एक खोल खाली था! उसमें किसका दिमाग डाला तुमने?
जब इसमें तुम्हारा दिमाग लग जाएगा तो इसके मेंटल ब्लास्ट पूरी दुनिया को उड़ा देंगे! अभी इसमें ज्ञानबुद्धि का घटिया दिमाग लगा है! फिर भी ये सिस्टम तुम्हारे चिथड़े उड़ा देने के लिए काफी है!
हां, ज्ञानबुद्धि का खून जरूर काम आ रहा है! यह दिमागी सिस्टम खून में ही जिन्दा रह सकता है! ताजे खून से इसकी शक्ति और बढ़ेगी!

तुम दिमाग की डॉक्टर नहीं, दिमाग की मरीज हो नेटालिया! पागल हो गई तुम! वरना इतना घिनौना काम तुम कभी न करती!
मैं चाहे पागल हूं, लेकिन तुम डर के मारे पागल मत हो जाना!
वरना तुम्हारा 'ए-ग्रेड' दिमाग मेरे किसी काम का नहीं रहेगा!
इस ब्रेन सिस्टम पर कोई भी वार बेकार है! इसकी अब तक सिर्फ एक ही कमजोरी समझ में आई है कि ये खून में ही जिन्दा रह सकता है। अगर शीशे के गोले को तोड़कर खून को बहा दिया जाए तो...
ओह! इसने ब्लेड्स को नष्ट कर डाला!
आऽऽऽह! मेरा कंधा! मेरा कंधा उतर गया है! डिस्लोकेट हो गया है!
इस ब्रेन सिस्टम से मैं नहीं जीत सकता! जो भी चाल चलूंगा, उसको यह पहले से ही भांपकर उसकी काट तैयार कर लेगा!
शायद मेरी बेल्ट में ऐसी कोई चीज हो जो मुझे इससे बचने का रास्ता दिखा सके! यह... यह क्या है? यह तो... यह तो...

आहा ! ये हथियार तो अचूक है ! ब्रेन सिस्टम इसके सामने नहीं ठहर पाएगा ! लेकिन इसके लिए मुझे 'ब्लड टैंक' के पास तक जाना होगा !
ओह ! ये मेरी चाल समझ गया है ! मुझे टैंक की तरफ जाने से रोक रहा है !
अब मुझे रिस्क लेना ही पड़ेगा ! दूर से निशाना साधना पड़ेगा !
अगर मेरा निशाना चूका तो मेरी मौत निश्चित है !
लेकिन निशाना नहीं चूका। ध्रुव का हथियार सीधे 'ब्लड टैंक' में जा गिरा-
ये... ये तूने ब्लड टैंक में क्या मिलाया है ? खैर कुछ भी हो ! मेरा 'ब्रेन सिस्टम' इसका भी तोड़ तैयार कर लेगा !
लेकिन इस हथियार का तोड़ 'ब्रेन-सिस्टम' के पास नहीं था-
क्योंकि कुछ ही पलों के बाद-
ये क्या हो रहा है ? मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि ये मस्तिष्क फूल रहे हैं ?

फूल नहीं रहे हैं, सूज रहे हैं नटालिया! और सूजने से इसके न्यूरॉन फट रहे हैं! तुम्हारा ब्रेन सिस्टम नष्ट हो रहा है, नटालिया!
लेकिन कैसे? कैसे? क्या कर डाला है तूने?
सिर्फ ब्लड टेक के जरिए 'ब्रेन फीवर' वाली मेनिन्जाइटिस के वायरसों को तुम्हारे सिस्टम में प्रवेश करा दिया है!
जो दिमाग में सूजन पैदा करके उसे नष्ट कर देते हैं!
इंसानी शरीर में तो प्रतिरोधक क्षमता होती है, जो वायरसों के बढ़ने की गति को नियंत्रण में रखती है। लेकिन तुम्हारे सिस्टम में ऐसी कोई प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी! इसीलिए वायरस तेजी से बढ़े और उन्होंने तुम्हारे सिस्टम के सारे मस्तिष्कों को नष्ट कर दिया!
धड़ाक
थैंक्यू, श्वेता, थैंक्यू!
तेरे ब्लड सैंपल ने आज मेरी जान बचा ली!
और फिर-
नटालिया को पागलखाने में भर्ती कराना पड़ा है ध्रुव! वह अपना सर काटने पर उतारू थी!
छोड़ो न पापा! जानते हो ऐसा पहली बार हुआ है कि मैंने घर पर ही रहकर भइया को बचा लिया है!
पहली बार-से तेरा क्या मतलब है? तू कब मुझे बचाने बाहर गई है?
ओ ओऽऽऽ मैं तो भूल ही गई थी कि चंडिका मेरा सीक्रेट है!
सिर्फ मेरा!

समाप्त